HR14-2-3-HI

सृष्टि से कदम ब कदम भाग 3

आज द एंकरबर्ग शो मे हम उन लोगो केलिए जवाब देंगे जिन्होनो विज्ञान केलिए अपनी मसीही विश्वास का त्याग किया है. कही भी, किसी दौरान आपको यह विश्वास दिलाया गया कि आजके आधुनिक विज्ञान के सामने बाइबल मे लिखी सृष्टि की रचना सामंजस्य स्थापित नही कर पाएगी. लेकिन आज की शृंखला मे हम इस तर्क को प्रस्तुत करेंगे की नये विज्ञानिक प्रमाण दरअसल आपको परमेश्वर पर विश्वास करने पर अग्रसर करेंगे. आगे हम उस स्वाल का उत्तर देंगे की, क्या हम कुदरत के लिखित प्रमाण और पवित्र वचन के लिखित प्रमाण के बीच सहमती की उम्मीद कर सकते है?

डा। वाल्टर कैसर: ज़रूर करना है क्योंकि एक ही लेखक है. मेरा मतलब है कि आप एक इमारत को देखो जो एक शिल्पकार ने बनाई है और एक और इमारत जो उसी शीप्लकार ने बनाई है,आप कहेंगे ये फ्रैंक लाय्ड राइट की इमारत है. आप ब्रह्मांड को देखो,उसका निर्माण परमेश्वर ने किया है. हर जगह पर लिखा है,यह नही की यूयेसे मे बना है लेकिन जीवित प्रभु ने बनाया है. आप वचनो को देखो वो भी प्रभु से आए है. अब लेखक तो एक ही है, अनुवादक दोनो पर काम करते है. अनुवादक असहमत होंगे

लेकिन सबूत नही, प्राकृतिक हक़ीकत नही. प्राकृतिक हक़ीकत ही उसी प्रभु से आती है. नही तो हम सर्जन के सिद्धांतो को फेंक देते थे, नही तो हम प्रेरणा को फेंक देते थे, जो न चूकने वाले प्रभु का वचन है. हम किसिको भी नही फेंक सकते है क्योंकि यह दोनो ही जीवित प्रभु से आए है.

मेरे आज के मेहमान है खगोल-विज्ञानी डॉक्टर ह्यू रॉस, जिन्होंने पाई है, पी एच दी, खगोल विद्या मे, यूनिवर्सिटी ऑफ टोरोंटो से और उत्तर डाक्टरी खोज कसार पे कॅल टेक मे की. वे कई पुस्तको के लेखक है, उनकी नयी पुस्तक के सहित, "उतपति मार्ग निर्देशन". हम उनसे भी सुनेंगे जो यहूदी विद्वान है डॉक्टर वॉल्टर काइज़र, वो मनुष्य जिसे पुराने करार और यहूदी भाषा के दुनिया के बहुत ही सुविज्ञ प्राधिकारियो ने सिखाया है. शामिल होइए और सुनिए कि कैसे आधुनिक वैज्ञानिक सबूत बाइबल मे लिखी सृष्टि की रचना जो उतपति १ और २ मे हे के साथ सहमत होता है. इस विशेष एडिशन मे द जॉन अंकेरबेर्गशो.

प्रोग्राम मे स्वागत है, वापस आज हम आपके लिए विशेष लाए है. हुमारे मेहमान हे खगोल विज्ञानी और खगोल भौतिक विज्ञानी डॉक्टर ह्यू रॉस. और हम बाइबल और विज्ञान के बारे में बात कर रहे है. क्या वे अनुकूल है? क्या वे सहमत है? वो कैसे?

और हम इस प्रोग्राम मे एक दिन की लंबाई कितनी है उसके उपर ध्यान दे रहे है. आपके पास ६ रचनात्मक दिन है और सातवे दिन परमेश्वर ने आराम किया. उन हर एक दीनो क़ा समय और लंबाई क्या थी? और उसका अर्थ बताने के लिए उस प्रकरण हमे आगाह करता है. हुँने पहीले ही बताया थी की हम सोचते की वो लंबा समय था, प्रति दिन लंबे अरसे के समय था. हम क्या देखने जा रहे ही क्या ये उस दिन के लिए भी लागू होता है, छटवा दिन, जब आदम और हाव्वा को बनाया गया था. क्या आप जानते है की परमेश्वर दस घटनाओ के बारे मे बात करते है और हमे जानकारी देते है उन्होने उस दिन क्या किया? अच्छा तो, हम उसे साथ मिलकर देखने वाले है.

और ह्यू, हम शुरू करते है बाइबल वचन के साथ. लोग विस्मित हो जाएँगे जब वे धखेंगे की बाइबल को उसके बारे मे क्या कहना है. हम बात कर रहे थे की छटवे क्या हुआ था. और उत्पति २:८ मे"और यहोवा परमेश्वर ने

पूर्व की ओर अदन देश में एक वाटिका लगाई; और वहां आदम को जिसे उसने रचा था, रख दिया। " वो आपको क्या बताता है?

डॉक्टर ह्यू रॉस: आहा, वो हमे यह कहता है की आदम प्रारंभ मे वाटिका के बाहर था और परमेश्वर ने उसे वाटिका मे रखा. और आदम को यह अवसर मिला कि वो बाहर की दुनिया और वाटिका और परमेश्वर ने वाटिका के अंदर क्या रचा हे उसके बीच फ़र्क देखे. मे सोचता हूँ की उसे तभी सूचित हो गया होगा की यह परमेश्वर मुझे बहुत चाहता और परवाह करता है की उसने यह बहुत ही सुंदर वाटिका मेरे उपभोग केलिए बनाई. इसलिए मे सोचता हूँ कि वहाँ पर यह पहेला मुख्य मुद्दा है. और इसके स्सत ही जब परमेश्वर बाद मे उससे मृत्यु के बारे मे कहता है और जब वो काँटे और ऊंटकटारे के बारे मे सुनता है, उसे पहले से ही पता है, क्योंकि उसने अदन की वाटिका के बाहर के दुनिया देखी थी.

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: हा, इसलिए वाटिका ए विशेष जगन होने वाली है. और पद १५ कहता है" परमेश्वर ने आदम को ले कर अदन की वाटिका में रख दिया""कि वह उस में काम करे और उसकी रक्षा करे, " उन शब्दो मे ज़्यादा जानकारी है? हो क्या रहा है?

डॉक्टर ह्यू रॉस: जब आप उत्पति१ मे देखते हो तो इसमे परमेश्वर के प्राकृतिक रचना के बारे मे बताया है. उत्पति २ मे, परमेश्वर मनुष्य को धीरे धीरे अपनी रचना से परिचय करवाता है, और उसकी रचना के अलग अंश के साथ संबंध बनाना सिखाता है. उत्पति १ का पाठ तीन अलग तरह के जीवन के बारे मे बात करता है: जीवन जो केवल शारीरिक है, जीवन जो शारीरिक ओर मानसिक है, और फिर एक अकेली जाती जो शारीरिक, मानसिक ओर आत्मिक है. इसलिए यहाँ पर १५ पद कहता है कि परमेश्वर ने आदम को पहले अपनी रचना के केवल शारीरिक हिस्से के साथ परिचय करवाया और सिखाया की कैसे शारीरिक रचना के साथ संबंध बनाना है.

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: बेशक, और परमेश्वर अगले पद मे कहता है. परमेश्वर ने भूमि से सब भांति के वृक्ष, जो देखने में मनोहर और जिनके फल खाने में अच्छे हैं उगाए, और वाटिका के बीच में जीवन के वृक्ष को और भले या बुरे के ज्ञान के वृक्ष को भी लगाया। " वो आपको क्या कहता है.

डॉक्टर ह्यू रॉस: बखूबी, सबसे पहले ये हमे कहता है कि आदम वृक्ष की रचना का परिरूप जो परमेश्वर ने डाला था उसे देख पाया था. पाठ हमे कहता कि वो वृक्ष की उत्पति का अनुष्ठान कर पाया था. इसलिए यहाँ पर वृक्ष की देखभाल करने के लिया क्या चाहिए वो सीख रहा था. और परमेश्वर ने दिए हुए पौधो के द्वारा जो उन्होने रचे थे वो उनके प्रबंध को भी पहचान पय.एक विज्ञानिक होते हुए, मुझे जो अचंभित करता है, पौधे अत्युत्पादन करता है. डार्विन के दृष्टिकोण से हम ये उम्मीद ही नही कर सकते की पौधे इतना बहुतायत मे उत्पादन कर सकते है, इतना स्वादिष्ट भोजन, वो भी बहुत विभिन्न और सुंदर. लेकिन ऐसा ही कुछ आदम सिख रहा है कि " ये पौधे ऐसा कुछ है जो मैने तुम्हे दिया है, मैने तुम्हे बहुतायत मे दिया है और तुम्हारे लिए ऐसे तरीके की व्यवस्था की कि तुम सच मे अनद उठाने वाले हो. मेरा मतलब ये की क्या होता अगर हर व्यंजन का रंग भूरा होता? अगर हर व्यंजन का स्वाद गत्ते जैसा होता तो क्या? हम वैसा नही देख रहे है. जो हम मनुष्य के पास है वो बहुत विभिन्न, बहुत सुंदर, बहुत संतुष्टि करनेवाली चीज़ है.

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: हाँ, क्या मुझे प्रभावित हुआ, अगर आप एक वृक्ष को बढ़ते हुए देख रहे हो तो आप कितने मिनट तक देख सकते हो?

डॉक्टर ह्यू रॉस: बखूबी, अनेक सालो.

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: हाँ, तो मेरा मतलब है, वो लंबे अरसे का समय होगा, और फिर वो वाटिका मे है और परमेश्वर उसे काम देता है. वो ईस बहुत ही सुंदर जगह से घिरा हुआ है. और बाइबल कहता है " परमेश्वर ने आदम को ले कर वाटिका में रख दिया, कि वह उस में काम करे और उसकी रक्षा करे.

डॉक्टर ह्यू रॉस: सही, में सोचता हूँ वहाँ क्या चल रहा है की परमेश्वर आदम को अनुबोध देते है की" मैने टुजे काम दिया है और वो काम आनंदपूर्वक होगा." और इसलिए यहाँ पर आदम वास्तव में शारीरिक रचना, पौधे, और वृक्ष, और भोजन, और फूल जो वो देते है उससे संबंध बनाता है. और इसलिए की यह वाटिका परमेश्वर से स्थापित की गयी है. मै अनुमान लगता हूँ की आदम को परमेश्वर ने जो चीज़े बनाई उससे संबंध बनाने मे बड़ी मात्रा मे आनंद आया होगा. लेकिंग परमेश्वर उसे सिखाता है की अभी और भी है.

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: हाँ, अगला भाग भी बहुत दिलचस्प है. वापस हम अभी ही ६ वे दिन पर है. परमेश्वर ने कहा, आदम का अकेला रहना अच्छा नहीं; मैं उसके लिये सहायक बनाऊंगा जो उससे मेल खाए। परमेश्वर भूमि में से सब जाति के बनैले पशुओं, और आकाश के सब भाँति के पक्षियों को रचकर आदम के पास ले आया कि देखें, कि वह उनका क्या क्या नाम रखता है; और जिस जिस जीवित प्राणी का जो जो नाम आदम ने रखा वही उसका नाम हो गया। अब आदम को यह करने मे कितना समय लगा होगा?

डॉक्टर ह्यू रॉस: हाँ, वो प्राणिओ के संबंध मे बात करता है जिसे परमेश्वर ने ५ वे दिन और ६ वे दिन मे बनाए थे. यह प्राणी सिर्फ़ शारीरिक नही है, वे परमेश्वर् से दिए हुए भावनाओ से, इच्छा शक्ति से, और ज्ञान से संपन्न थे. और उन्हे मनुष्य से संबंध और सेवा और खुश करने की प्रेरणा के साथ बनाया गया. और यहाँ पर परमेश्वर आदम से कहता है की"में चाहता हूँ की तुम इन अलग प्राणिओ से संबंध बनाओ और यह जानो की मैंने उसे कैसे बनाया ताकि तुम्हारी सेवा और तुम्हे खुश कैसे करे और उनको उचित नाम दो. अब इसका मतलब यह है की, आदम को वनस्पति राज्य पर प्राधिकारी स्थापित किया लेकिंग इन प्राणिओ के उपर भी अधिकार दिया गया. और आदम के लिए यह एक मौका था कि वो यह जाने की यह प्राणिओ को मुझसे संबंध बनाए के लिए प्रभावशाली तरीके से संपन्न किया गया है, वनस्पति से ज़्यादा. इसलिए जितना वो बाग़बानी करने से संतुष्ट था, उसने अब ज़्यादा ही भारी मात्रा मे संतुष्टि का अनुभव किया. क्योंकि वो सिर्फ़ शारीरिक नही लेकिन भावनाओ, स्वेच्छा मे और बौधिक रूप से संतुष्ट था.

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: हाँ, इसके बारें मे बाते करते है जो मूलरुप से परमेश्वर ने बनाई है वो नेफिश प्राणी , मेरा मतलब की ऐसे लोग जो हमे अभी देख रहे है, वे अपने कुत्ते को प्यार करते है और अपनी बिल्ली को प्यार करते है. मेरा मतलब है आप कब्रिस्तान मे जाओगे तो आपको उस कुत्ते का पुतला कभी कभी जहाँ वो आदमी को दफ़नाया है उसके ठीक बाजू मे मिलेगा. मे यह कहता हूँ की है ऐसे संबंध जो मनुष्य और कुछ प्राणिओ के बीच पाते है. दूसरे प्राणिओ के बारे मे कम चिंता करते है और कुछ केलिए करते है. क्यो? वो शब्द नेफिश का मतलब क्या है.

डॉक्टर ह्यू रॉस: हाँ, शब्द "नेफिश" परमेश्वर ने रचे हुए उन प्राणिओ के संबंध मे है जो मनुष्य की सेवा और खुश करने केलिए रचा गया है. और हम मनुष्य के साथ भावनात्मक बंधन मे बँधे. और आश्चर्य देनेवाकी बात यह है की वो हमारे आस पास ही रहना चाहते है. जानते हो, अगर आप पाप का अवयव निकल दोगे, कुप्रथा का अवयव निकाल दोगे तो यह प्राणिओ भारी मात्रा मे हमारे पास आने केलिए, संबंध बनाने के लिए, त्याग करने केलिए, सेवा और खुश करने केलिए प्रेरित रहेते है. इसलिए यह अद्दाम केलिए ज़्यादा आनंद का कारण होगा. और फिर परमेश्वर कहते है, देखो मैने थोड़े से भी ज़्यादा बनाए है. यहाँ हज़ारो तरह के अलग नेफिश प्राणी है तुम्हारी सेवा केलिए ओर खुशी केलिए. तो यह चीज़ आदम केलिए जानकारी की और खुशी का बड़ा कारण बन गयी यह जानकार की वे सब अलग है और वे सबमुझे अलग तरीके से सेवा और खुश करेंगे. और पूर्ति की भावना

उसेन उसमे से पाई. लेकिंग इस से जाहिर है की एक अच्छा ख़ासा समय का अरसा लगा. क्योंकि हर एक प्राणी कैसा है पता लगाने मे समय लगता है. हर एक जीव की नस्ल को विशिष्ट प्रतिरूप दिया गया है सेवा और खुश करने केलिए. अय्यूब की पुस्तक उदाहरण केलिए ३८ वा पाठ और ३९ वा पाठ इसमे विस्तार मे जाता है, एक अर्थ बनता है, उदाहरण केलिए, एक घोड़ा और गधा, हालाँकि वे एक दूसरे के जैसे दिखते है वे हमसे आवश्यक रूप से अलग तरीके से संबंध बनाते है.

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: हाँ लोगो, आप जैसे सुन रहे है, आप को क्या लगता है की आदम को कितना समय लगा होगा उस जगह पर पहुचने जहाँ वो अभी है. क्योंकि ये सब एक "योम" एक दिन है, ठीक? अभी हम एक ब्रेक लेने वाले है, जब हम वापस आएँगे तो एक बड़ी बात करेंगे, आज के दिन पे, आगे आनेवाला है कि उन्होने ह्व्वा को आदम के पास लाया. में चाहता हूँ की आप बने रहे और जैसे ही वापस आते है हम वो बाते करेंगे.

***

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: ठीक है, हम वापस आए है. हम बाते कर रहे है, खगोल विज्ञानी और खगोल भौतिक विज्ञानी डॉक्टर ह्यू रॉस से. और हम बाते कर रहे है की उत्पति मे कितने लंबे दिन थे. और बाइबल ही जो सूचना वो हमे देती है उस से दिन की लंबाई के बारे मे बताती है. और हम उस दिन की घटनाओ के बारे मे बात कर रहे जो ६ वे दिन पर हुई थी जब परमेश्वर ने आदम और ह्व्वाको रचा था. अब तक ह्व्वा की तस्वीर को तो हम सामने लाए ही नही. और हम उन सब घटनाओ के बारे मे बात कर रहे जो आदम के साथ हुई थी. लेकिन हम अब उस जगह पर आ रहे है जहाँ पर ह्व्वा को उसके पास लाया गया. और यह है जो बाइबल कहती है. परमेश्वर ने आदम को इन सब पशुओ का नाम रखने का काम दिया था और पद २० कहता है आदम ने सब जाति के घरेलू पशुओं, और आकाश के पक्षियों, और सब जाति के बनैले पशुओं के नाम रखे, लेकिन फिर वो कहता है " परन्तु आदम के लिये कोई ऐसा सहायक न मिला जो उससे मेल खा सके" और परमेश्वर को यह एहसास होता है. क्या चल रहा है?

डॉक्टर ह्यू रॉस: बेशक, वो पशुओ जो परमेश्वर ने रचे थे, वो जो कई हज़ारो जाति के, वे भावुक है, उनको इच्छा होती है, चाह, उनके पास समझ है. लेकिन उनके पास आत्मा की कमी है. इसलिए आदम को समझ मे आया कि मे उनसे शारीरिक तरीके से संबंधित हो सकता हूँ, में उनकी भावना, समझ और चाह से संबंधित हो सकता हूँ, लेकिन कुछ तो कमी है. इन प्राणिओ मे वो नही है जो मुझमे है जैसे की आत्मा. और इसलिए आदम के अंदर एक तमन्ना थी उस प्राणी के लिए जिस से वो हर स्तर पर संबंध बनाए जिसके लिए परमेश्वर ने उसे तैयार किया है संबंध बनाने केलिए.

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: तो बाइबल हमे अगले भाग मे यह कहती है, पद २१, तब परमेश्वर ने आदम को भारी नीन्द में डाल दिया, और जब वह सो गया तब उसने उसकी एक पसली निकाल कर उसकी सन्ती मांस भर दिया। और परमेश्वर ने उस पसली को जो उसने आदम में से निकाली थी, स्त्री बना दिया, फिर पाठ कहता है, "और उसको आदम के पास ले आया" और फिर क्या होताहै?

डॉक्टर ह्यू रॉस: वो ऐसा कुछ कहता है जो आप यहूदी भाषा मे देख सकते हो. वो शब्द "हापा" एम". पुराने करार मे इसका उपयोग २० बार से भी ज़्यादा किया गया है, हमेशा अनुवाद रहा "आख़िर कार" तो यहाँ पर परमेश्वर ने आदम को पूर्ण सीमा से हर उन चीज़ो का परिचय दिया जिसे उन्होने पृथ्वी पर रची थी अंत के लिए सर्वश्रेष्ठ रखते हुए. और यहाँ पर आदम ने, कही महीनो या फिर कुछ साल इस वाटिका मे काम करते, प्राणिओ से संबंध बनाते हुआ, प्राणिओ के नाम रखते हुए, वाटिका के उपर और प्राणिओ के उपर अपना अधिकार

स्थापित करते हुए गुज़ारा. और फिर यह प्राणी आता है और वो कहता है, आख़िर कार, परमेश्वर ने मुझे वो प्राणी दिया जो मुझे हर स्तर पर पूर्ण करेगा जिसे मुझे परमेश्वर ने सबंध बनाने केलिए तैयार किया है.

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: हाँ, जब परमेश्वर उस स्त्री को आदम के पास लाया, और आदम ने कहा अब यह मेरी हड्डियों में की हड्डी और मेरे मांस में का मांस है: सो इसका नाम नारी होगा, क्योंकि यह नर में से निकाली गई है। इस कारण पुरूष अपने माता पिता को छोड़कर अपनी पत्नी से मिला रहेगा और वे एक तन बने रहेंगे। और आदम और उसकी पत्नी दोनो नंगे थे, पर लजाते न थे. तो यहाँ पर क्या हो रहा है?

डॉक्टर ह्यू रॉस: और वहाँ पर पाठ कुछ और भी कहता है, जहाँ पर परमेश्वर ह्व्वा को आदम के पास ले आते है एक मददगार या एक सहायक की तरह, जो मे सोचता हूँ कि सही अनुवाद नही है. वहाँ पर हिब्र्यू शब्द है"एज़र्र" और उसका मतलब है " में तुम्हारे लिए सैन्य सहयोगी ला रहा हूँ. आदम को तभी ही यह बात संचारित हो जाती है कि परमेश्वर ने यह सब प्राणी, पौधे, और अब यह स्त्री, इस सुंदर वाटिका मे मुझे खुश करने के लिए दिए है, लेकिन में सिर्फ़ जीवन का आनंद नही ले सकता, परमेश्वर ने हमे विशेष कार्य दिया है. तो जब वे ह्व्वा को सैन्य सहयोगी संबोधित करते है तो वे दोनो पुरुष और स्त्री से कहते है की आपके पास विशेष कार्य है, एक उदेश्य है जिसके कारण तुम्हे रचा है.

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: हम थोड़े पल लेते है यह बाते करने केलिए, परमेश्वर ने आदम और ह्व्वा को अपने स्वरूप मे बनाया. उसका मतलब क्या है?

डॉक्टर ह्यू रॉस: बेशक हम शरीर,मन और आत्मा है. अब मैं नही लगता कि मनुष्य के मन को और आत्मा को अलग कर सकते है. लेकिन इसका एक अर्थ निकलता है कि परमेश्वर में जो विशेषताए है वो सब विशेषताए हम मे भी है, इसलिए हम वो सब कर सकते है जो एक प्राणी नही कर सकता.

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: आपके पास भी विशेष रचना है. मनुष्य उत्क्रांत नही हुआ, उसे अस्तित्व मे लाया गया.

डॉक्टर ह्यू रॉस: और, यहाँ पर वचन ने एक शब्द का उपयोग किया है, परेमशवर ने मनुष्य की "सृष्टि" की, परमेश्वर ने मनुष्य को "बनाया". अब जब वो कहते है परमेश्वर ने हमे बनाया तो उसका मतलब है उन्होने हमे पृथ्वी की मिट्टी से बनाया. मिट्टी पहले से मौजूद थी. परमेश्वर ने मिट्टी को संगठित किया और हमारे शरीर मे तब्दील किया. लेकिंग हमारे अंदर जो आत्मा है वो बिल्कुल नयी है उसका अस्तित्व पहले नही था. इसली आप वो शब्द सृष्टि देखते हो. तो यह ऐसी चीज़ है जिसका पृथ्वी पर पहले अस्तित्व नही था.

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: हाँ, यह उत्पति १ मे तीन बारा है, है ना? वहाँ पर "बरा" शब्द का उपयोग किया है, परमेश्वर कहाँ उपयोग करते है? क्यों?

डॉक्टर ह्यू रॉस: बारा शब्द का उपयोग केवल उत्पत्ति 1 में हुआ ये बताने के लिए कि उसे अस्तित्व में लाएं जो पहले अस्तिव में नही था. याने हम इसे देखते हैं पहले उत्पत्ति 1:1 में परमेश्वर ये भौतिक संसार को बनाता है. और दूसरी बार सृष्टि के 5 वे दिन, परमेश्वर जानवरों को बनाता है जो केवल शारीरिक ही नही हैं, लेकिन शारीरिक और प्राण के हैं. और ये प्राण का भाग बिलकुल नया है. और अंत में मनुष्य बनाया जो शरीर प्राण और आत्मा हैं. इसमें आत्मा बिलकुल नई है.

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: ठीक है, सारांश में बताइए, हम लोगों को ये सारी जानकारी क्यों दे रहे हैं? आपने सारी जानकारी दी, और इसे एक बार फिर सारांश में बताइए. और ये तो छटे दिन ही होना था, ये घटनाएँ क्या थी और ये क्यों केवल कुछ समय या 24 घंटे ही नही हो सकती थी?

डॉक्टर ह्यू रॉस: खेर उत्पत्ति 1 हमें बताता हैं मनुष्य पुरुष और मनुष्य स्त्री दोनों छटे दिन बनाए गए, लेकिन हम देखते हैं उत्पत्ति 2 में कि पहले आदम बनाया गया, अदन की वाटिका के बाहर, प्रभु उसे वादिका में रखता है, वो वहां काफी समय तक रहता है कि देखे कि ये पेड़ बढ़ रहे हैं. वो वाटिका की रक्षा करता है. और ये जानता है कि कैसे परमेश्वर ने उसे पेड़ और पौधों द्वारा अद्भुत प्रयोजन किया है, उससे बहुत आनन्द उठाता है और साथ ही, और जानता है कि केवल देखभाल करने से भी बढकर जीवन में कुछ है.

और प्रभु कहता है ठीक है, अब मैं चाहता हूँ कि केवल शारीरिक सृष्टि के बारे में भी न देखे. लेकिन प्राण की सृष्टि भी देखे, जो नाफेश याने जानवर के बारे में बताता है. ऐसे जानवर जो परमेश्वर ने बनाए हैं, मन, इच्छा और भावनाओं के साथ, कि वो आदन के साथ संबंध रख रखे, आदम के साथ जुड़ जाएं, लेकिन साथ ही ये भी देखा कि प्रभु ने उन्हें कैसे बनाया है, और वो उसे खास तरीके से प्रसन्न करे. अब इस तरह के हजारों जानवर थे, ज्सिके लिए बहुत ही समय लगा होगा, कि आदम ये जाने कि परमेश्वर ने ये कैसे बनाया कि वो उसकी सेवा करे और उसे प्रसन्न करे, एक खास तरीके से, और उन्हें सही नाम दे.

और ये करने के बाद वचन हमें बताता है कि आदम अकेला था, इन जानवरों के साथ इतने सम्बन्ध के बाद भी किसी चीज़ की कमी थी. और यही पर परमेश्वर आदम को सुला देता है, वो सर्जरी से रिकवर करता हैं उसकी पहचान नए व्यक्ति से होती है, और हम असली हीब्रू वचन में देखते हैं, कि आदम के मुँह से यही आता है, ''हापा आम'' देर तक रहनेवाला, और इसलिए ये समय बहुत महत्वपूर्ण था, आदम की सृष्टि में, और हव्वा की सृष्टि में, और सच में परमेश्वर आदम को निर्देश दे रहा था, कि कैसे सृष्टि के अलग घटक से संपर्क करे, हम इसका विवरण उत्पत्ति 1 में देखते हैं.

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: ह्यू आप अविश्वासी थे और आपने ये घटना पढ़ी, कही न कही, उत्पत्ति 1 की ये जानकारी आप में आई, और आपकी पृष्ठभूमि तो एस्ट्रोनोमी से है और आपने ये रेखा कैसे पार की? इस अध्याय में बड़ी बात क्या थी, जिसके कारण आप रेखा पार कर पाएं और अपने विश्वास और भरोसा यीशु मसीह पर रखा कि वो आपका उद्धारक और प्रभु हो जाएं?

डॉक्टर ह्यू रॉस: खैर, मैंने उत्त्पत्ति 1 और 2 में देखा कि घटनाओं का क्रम पूरी तरह से साइंटिफिक रेकॉर्ड से मिलता है, विवरण पूरी तरह से साइंटिफिक रेकॉर्ड से मिलता है, और मैंने जाना कि ये हजारों साल पहले लिखा गया है, ये साइंटिफिक जानकारी दे रही थी, जो सामान्य मनुष्य की श्रमता से बहुत बढकर है, इससे मैं सहमत हो गया, कि ये मनुष्य मूसा ने उससे प्रेरणा पाई थी जिसने संसार को बनाया है, और मैं बाइबल में देखता हूँ कि कुछ प्रेरणा से लिखा गया जो पूरी

तरह से सत्य था, और इसलिए बाइबल को पहचानना कि ये परमेश्वर की प्रेरणा से लिखा गया वचन है, मैंने बाकी वचनों को देखा और जाना जो मैंने उत्पत्ति 3 में देखा, कि स्त्री का वंश सांप के सर को कुचलेगा जो मनुष्य जाती का शत्रु है और परमेश्वर का शत्रु है, और नए नियम में पढ़ा, कि सृष्टिकर्ता परमेश्वर स्वयं मनुष्य बना, और ये बलिदान किया जिसके द्वारा हम वापस पा सकते हैं, हमारे संबंध को अपने सृष्टिकर्ता के साथ, और इसने मुझे प्रोत्साहित किया कि गिडियन बाइबल के पीछे मेरा नाम साइन करूं. और अपने जीवन यीशु मसीह को दिया.

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: ४० सेकण्ड में बताईये ये कि सुसमाचार का संदेश क्या है?

डॉक्टर ह्यू रॉस: सुसमाचार का संदेश तो ये है कि जिसने सबकुछ बनाया वो सच में पृथ्वी पर आया, और हमें नम्रता का उदाहरण दिखाया कि हमें परमेश्वर के पास आना चाहिए, और उसने खुद का बलिदान किया, दम चुकाया, परमेश्वर के विरुद्ध हमारे पापों के लिए, कि हम उसके पास आ सके और अपनी नैतिक असिद्धता दे सकते हैं, उसके नैतिक सिध्द्ता के बदले में, और अपने जीवन का मार्गदर्शन पाएं, तो हम कदम ब कदम उस परमेश्वर के अनुयायी हो सकते हैं जिसने हमें बनाया है.

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: और दोस्तों, यदि आपने देख रहे हैं और आप अपने जीवन में मसीह को न्योता देना चाहते हैं, बाइबल इसके बारे में बहुत कुछ कहती है, लेकिन बुनियादी बात है कि जो कोई भी प्रभु के नाम को पुकारता है, जो उस पर अपना भरोसा रखता है, कि उसने वो सब किया जो जरूरी था कि आप माफी पाएं और सिद्धता से प्रभु के साथ खड़े रहे, बिना किसी पाप या दोष के, ठीक है, जब आप अपने भरोसा मसीह पर रखते हैं कि वो सब उठा सकता है, तो परमेश्वर इसे उठा लेता है, वो आपको बचाता है, मसीह आपके जीवन में आता है, परमेश्वर का पवित्र आत्मा आपके जीवन में आता है, और वो आपको नई इच्छाएँ देकर बदलने लगता है, और हम चाहते हैं कि आप उस संबध में आएं, केवल बुद्धिमत्ता की बातों में ही नही, लेकिन ये तो जीवित परमेश्वर के साथ का अनुभव है, कि हम प्रतिदिन मसीह के साथ चले.

अब ये अद्भुत जानकारी है, अब तक हमने नही देखा कि 4 थे दिन क्या हुआ, हम इसके बारे में चर्चा करेगे, और साथ ही हम चर्चा करेगे कि क्या सृष्टि के रेकॉर्ड वचन के रेकॉर्ड से मिलते हैं, दुसरे शब्दों में बाइबल का परमेश्वर क्या ये सृष्टि के बातों के साथ सहमत होता है, यही लेखक जिसने हमें दोनों चीज़े दी है, और हम इसके बारे में चर्चा करेगे, हम डॉक्टर वोल्टर कायजर से सुनेगे, लेकिन साथ ही हम चर्चा करेगे उन सवालों पर भी जो उठते हैं, जब आदम ने पाप किया तब क्या हुआ? इससे संसार पर कैसे प्रभाव पडा? और इस क्षेत्र में बहुत से दिलचस्प सवाल हैं, आशा करता हूँ कि आप अगले हफ्ते जुड़ जाएगे.

द जॉन एन्करबर्ग शो

पी ओ बॉक्स 8977

Chattanooga, TN 37414

जे ए शो डॉट ऑर्ग

001-423-892-7722

Copyright 2015 ATRI